http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 85

प्रयागराज बुधवार 11 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

सीएम डॉ. मोहन यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी से दिल्ली में की मुलाकात

● कई अहम मुद्दों पर की चर्चा

भोपाल,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री को राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर मुलाकात की तस्वीर भी साझा की और बताया कि इस मुलाकात के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। ख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को दिल्ली मेंप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर मुलाकात की तस्वीर भी साझा की और बताया कि इस मुलाकात के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही यह भी चर्चा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में चल रही केन–बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के भूमि पूजन समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर केन–बेतवा परियोजना का भूमि पूजन हो सकता है, और इसके लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से समय मांगा है। बता दें एक दिन पहले दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही केन–बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का भूमि पूजन करेंगे। इस परियोजना के जरिए बुंदेलखंड क्षेत्र में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, और यह अटल बिहारी वाजपेयी जी की नदी जोड़ो योजना का सपना पूरा करने में मदद करेगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने पार्वती–काली सिंध–चंबल नदी जोड़ो परियोजना के बारे में भी प्रधानमंत्री से चर्चा की, जो दो दशकों से लंबित थी और अब इसके कार्यों में तेजी आई है।

हर काम देश के नाम होः सीएम

● सीएम बोले– जीवन का उद्देश्य डिग्री लेना नहीं होना चाहिएः गोरखपुर में योगी ने कहा– स्मार्टफोन पर घंटों बैठने की बजाए अपने इंट्रेस्ट का करिए काम

गोरखपुर,(एजेंसी)। गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह के समापन समारोह में मंगलवार को ब्ड योगी पहुंचे। उन्होंने कहा–जीवन का उद्देश्य डिग्री लेना नहीं होना चाहिए। युवा समाज को बेहतर बनाएं। समय के साथ हमें खुद को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा– हम टेक्नोलॉजी से भाग नहीं सकते। लेकिन याद रखिए तकनीक मानव के लिए मानव तकनीक के लिए नहीं है। हम तकनीक को अपने अनुसार संचालित करें न कि हम तकनीक के अनुसार संचालित न हों। आपके समय का एक बड़ा समय स्मार्टफोन खा जा रहा है सीएम योगी ने कहा कहा– आपके समय का एक बड़ा समय आपका स्मार्टफोन खा जा रहा है। अनावश्यक रूप से घंटों बैठकर स्मार्टफोन पर देखता रहता है। कभी–कभी तो मेरा सिर चकरा जाता है। देखता हूं बहुत सारे लोग नमूने बन जाते हैं। इतना अगर आप प्रकृति के साथ रहकर, या अपने किसी रोचक या जीवन क्षेत्र से जुड़े पुस्तक के लिए अपना इतना समय दे देंगे तो आपके लिए ज्यादा उपयोगी हो सकता है। सीएम ने कहा– मोबाइल पर बच्चे ऑनलाइन गेम खेल कर समय बर्बाद कर रहे हैं। अगर अपने रुचि की चीजों पर ध्यान दें तो समाज के साथ बेहतर व्यक्तित्व का भी विकास होगा। कैलाश सत्यार्थी ने कहा– पहली बार मुझे कोई ऐसा राजनेता मिला, जिसने दीवाना बना दिया नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा– 25 साल पहले कुछ मित्रों से पता चला कि यहां जो मठ है उसके आसपास लगने वाली दुकानों के पास पता चला कि वहां कुछ नेपाल के बच्चे काम कर रहे थे। मैं और मेरे साथियों ने सोचा कि उस समय के युवा सांसद और महंत से मुलाकात की जाए। उन्होंने कहा– जब मैं यहां और दूसरी मंजिल के फ्लैट पर पहुंचा तो देखा दो–तीन साधरण सी लकड़ी कुर्सियां पड़ी थी। एक तख्त पर भगवा चादर बिछी थी। उस वक्त भी आप मुस्कुराए और मैंने अपनी बात रखी। मेरे सामने आप ने फोन घुमाया और सहयोगियों से कहा कि यहां जो भी बुराई चल रही है उसे तत्काल समाप्त करके मुझे बताइए। मैं पहले भी कई मंत्रियों से मिला और उनके पास जाकर बैठा। लेकिन पहली बार मुझे ऐसे राजनेता का यह रूप देखने को मिला। बोलिये कौन नहीं उनका दीवाना नहीं हो जाएगा। 800 विद्यार्थियों और शिक्षकों का सम्मान समारोह में परिषद द्वारा विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले 800 विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और संस्थाओं को ट्रॉफी, पदक और नकद पुरस्कारों से नवाजा गया। 92 वर्षों का शैक्षिक सफर 1932 में गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की ओर से स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण लाना था। परिषद के इस शैक्षिक सफर की शुरुआत 4 दिसंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई थी। श्रेष्ठ शिक्षक, कर्मचारी और संस्थाएं सम्मानित इस वर्ष परिषद द्वारा सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों और संस्थाओं को विशेष पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। श्रेष्ठतम संस्थारू एमपी कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर को मिलेगा।

सिसोदिया ने जंगपुरा विधानसभा में किया प्रचार का आगाज

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को किलोकरी स्थित अंगूरी देवी मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर जंगपुरा विधानसभा में चुनाव प्रचार का आगाज किया। श्री सिसोदिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एक शिक्षा मंत्री और उप–मुख्यमंत्री के तौर पर पूरी दिल्ली का जिम्मा मुझे मिला है। चुनाव कहां से लड़ते हैं, यह मायने नहीं रखता है। जब पटपड़गंज से विधायक और दिल्ली का उपमुख्यमंत्री था, तब भी जंगपुरा के लिए खूब काम किया।

'सरकार खुद चर्चा नहीं करना चाहती'

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बताया कि विपक्ष उन्हें बोलने नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। विपश्र पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा कि उनमें चर्चा करने की हिम्मत नहीं है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सांसदों के साथ बैठक की। इस बैठक के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता संसद में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी ऐसा नहीं चाहती है। उन्होंने बताया कि आज की बैठक संसद के मुख्य कमेटी रूम में की गई। बता दें कि विपक्षी गठबंधन के नेता संसद परिसर में अदाणी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए हुए प्रियंका गांधी ने कहा, ष्हम रोज चर्चा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे चर्चा करना नहीं चाहते। इसलिए वे किसी न किसी कारण से सदन स्थगित करवा देते हैं। सरकार के आरोपों पर कांग्रेस ने दी प्रतिक्रिया विपक्ष के सदन में बाधा डालने के सरकार के आरोपों पर कांग्रेस ने प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस नेता मनिकम टैगोर ने कहा, ष्हमें यह समझना होगा कि वे विपक्ष के नेता पर हमला करते हैं। संसद में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम कह रहे हैं।

धनखड़ के खिलाफ इंडिया समूह का अविश्वास प्रस्ताव

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। इंडिया समूह ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर इसे राज्यसभा महासचिव को सौंप दिया है। इंडिया समूह की तरफ से कहा गया है कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है, जो मजबूरी में लिया गया है। राज्यसभा के सभापति का व्यवहार बहुत ही पक्षपातपूर्ण रहा है। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि सदस्यों ने सदन में भी सभापति को कहा कि पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। उनका कहना था कि गठबंधन के विभिन्न दलों के नेताओं का इस संबंध में एक ही रुख था, इसलिए प्रस्ताव लाया गया है।

सभी वार्ड में विशेष सफाई अभियान का शुभारम्भ

प्रयागराज। नगर निगम ने विशेष सफाई अभियान का शुभारंभ न्यू यमुना पुल, मिंटो पार्क रोड के पास किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री एवं प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नगर निगम की गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना की। महापौर गणेश केसरवानी, नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने वार्ड के पार्षदों ने झाड़ू लगाकर सफाई की।

संधि को मंजूरी

गैर–बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के लिए संधि ाय को मंजूरी मिल गई है। 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए इस संधि में दुनिया को एकजुट करने की बात कही गई है। इस तरह संयुक्त राष्ट्र ने विश्व हित की अपनी इच्छा जताई है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दुनिया एकजुट होने के बजाय बंटती नजर आ रही है। जिस तरह का टकराव और कड़वाहट है, वैसा दूसरे विश्व युद्ध के बाद शायद ही कभी दिखा हो।

फिर भी, कहा जा सकता है कि प्रतिकूल स्थितियों में भी आशा और प्रयास को तिलांजलि नहीं दी जानी चाहिए। इस लिहाज से संयुक्त राष्ट्र की ताजा पहल प्रशंसनीय है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने 193 सदस्यों वाली महासभा को इस संधि को मंजूर करने के लिए ध न्यवाद दिया। कहा कि इस संधि से जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, गैर–बराबरी और गरीबी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के एकजुट होने का रास्ता खुला है, जिससे दुनिया के आठ अरब लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है।

रविवार को शुरू हुए दो दिवसीय भविष्य के शिखर सम्मेलनच्य के दौरान 42 पेज की संधि को अपनाया गया। संधि को अपनाने को लेकर महासभा की बैठक की शुरुआत तक संशय बना हुआ था। स्थिति इतनी अनिश्चित थी कि महासचिव गुटेरेश ने तीन अलग–अलग भाषण तैयार किए थे– एक पारित हो जाने के लिए, एक नामंजूर हो जाने की स्थिति के लिए, और एक उस स्थिति के लिए जब परिणाम स्पष्ट न हो। अंततरू उन्होंने अपना पहला भाषण दिया। यहां तक सब ठीक है। लेकिन मुद्दा है कि जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं की वजह उपभोग बढ़ाने पर आधारित अर्थव्यवस्था है, जिस पर समझौता करने के कोई देश तैयार नहीं है।ना ही समस्या से निपटने के लिए गरीब देशों को वित्तीय मदद देने का अपना वादा धनी देशों ने निभाया है। इसी तरह गैर–बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।

भारत की स्वास्थ्य यात्रा में एक मील का पत्थर

जगत प्रकाश नड्डा

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी–पीएमजेएवाई) की छठी वर्षगांठ गर्व और चिंतन का क्षण है। सितंबर 2018 में हमारे प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई एबी–पीएमजेएवाई आज दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा योजना में से एक बन चुकी है। यह योजना इस सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि सभी नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर वर्गों, के लिए समान स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध ा कराई जाए।

पिछले छह वर्षों में, इस महत्वाकांक्षी योजना ने लाखों जिंदगियों को छुआ है, उन्हें आशा, उपचार और कई मामलों में जीवनरक्षक उपचार प्रदान किया है। एबी–पीएमजेएवाई की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि एक राष्ट्र जब अपने लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ एकजुट होता है, तो क्या कुछ हासिल कर सकता है।

स्वास्थ्य सेवाओ की पहुंच में क्रांति

आयुष्मान भारत का मुख्य मिशन यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी भारतीय अपनी वित्तीय स्थिति के कारण स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रहे। माध्यमिक और तृतीयक अस्पताल देखभाल को कवर करने के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये के वार्षिक कवरेज के साथ, एबी–पीएमजेएवाई ने आर्थिक रूप से वंचित परिवारों को देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में मुफ्त में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने का साधन प्रदान किया है।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के आय वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एबी–पीएमजेएवाई के लाभों का विस्तार करने का निर्णय लिया गया है, जो हमारे देश में बदलते जनसांख्यिकीय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले, हमारे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, जैसे कि आशा बहनों , आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायकों के परिवारों को योजना के दायरे में लाया गया था। 55 करोड़ से अधिक लोग योजना के तहत मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आज पात्र हैं। अभी तक 7.5 करोड़ से अधिक सफल उपचार प्रदान किए गए हैं जिस पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का खर्च हुआ है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। जो परिवार स्वास्थ्य खर्च के कारण गरीबी में धकेल दिए जाते थे, उनके लिए अब यह योजना वित्तीय ढाल साबित हो रही है। योजना के तहत लाभार्थी किसानों से लेकर दैनिक मजदूरों तक के कथन इस बात का प्रमाण है कि यह योजना उन्हें आर्थिक परेशानी से बचा रही है। इस मायने में, आयुष्मान भारत ने वास्तव में अपने वादे को पूरा किया है।

इस योजना में उपचार का दायरा बहुत व्यापक है, जो 1900 से अधिक चिकित्सा प्रक्रियाओं को कवर करता है, जिनमें हृदय बाईपास या ज्वाइंट रिप्लेसमेंट जैसी जटिल सर्जरी से लेकर कैंसर और गुर्दे की बीमारियों के उपचार तक शामिल हैं। ये ऐसे उपचार हैं जो पहले तमाम लोगों के लिए पहुंच से बाहर थे, लेकिन अब एबी–पीएमजेएवाई ने उन्हें सुलभ, किफायती और सभी के लिए उपलब्ध बना दिया है।

विस्तृत नेटवर्क और मजबूत सिस्टम

एबी–पीएमजेएवाई की एक विशेषता इसका एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता नेटवर्क तैयार करने की क्षमता रही है। आज, भारत भर के 29,000 से अधिक अस्पताल, जिनमें 13,000 से अधिक निजी अस्पताल शामिल हैं, योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। यह नेटवर्क ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि देश के सबसे दूरस्थ हिस्सों में रहने वाले लोग भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त कर सकें। योजना की अद्वितीय पोर्टेबिलिटी सुविधा ने यह सुनिश्चित किया है कि लाभार्थी अपने राज्य के अलावा देश भर के अस्पतालों में इलाज करवा सकते हैं।

इस विशाल नेटवर्क को एक मजबूत आईटी बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित किया गया है जो दावों के निपटान में पारदर्शिता, दक्षता और गति सुनिश्चित करता है। आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन और पेपरलेस क्लेम प्रोसेसिंग के कार्यान्वयन ने धोखाधड़ी और अक्षमता को काफी हद तक कम किया है, जो अक्सर ऐसी बड़ी सार्वजनिक कल्याण योजनाओं में एक बड़ी चुनौती होती है।आयुष्मान भारत की सफलता ने स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य हिस्सों में भी सुधार को उत्प्रेरित किया है। योजना के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पर जोर ने सार्वजनिक और निजी दोनों अस्पतालों को अपने बुनियादी ढांचे और सेवाओं को उन्नत करने के लिए प्रेरित किया है। इसके अतिरिक्त, इसने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण विकसित किया है, जो प्रदाताओं को रोगी कल?याण को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आयुष्मान भारत सिर्फ माध्यमिक और तृतीयक स्तरीय अस्पताल चिकित्सा के बारे में नहीं है। एबी–पीएमजेएवाई के साथ–साथ, सरकार आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निर्माण के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर भी काम कर रही है। ये स्वास्थ्य केंद्र सुरक्षात्मक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य जनसंख्या में कुल रोगों के भार को कम करना है। अब तक, पूरे भारत में 1.73 लाख से अधिक एएएम स्थापित किए जा चुके हैं, जो सामान्य बीमारियों और मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर जैसी चिरकालिक परिस्थितियों के लिए मुफ्त स्क्रीनिंग, निदान और दवाएं प्रदान कर रहे हैं।ये केंद्र व्यापक और समग्र स्वास्थ्य देखभाल मॉडल की ओर हमारे प्रयास के केंद्र में हैं। कल्याण (वेलनेस) और प्रारंभिक निदान को बढ़ावा देकर, हम अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता को कम करने और स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को लंबे समय में और अधिक स्थाई बनाने की उम्मीद करते हैं।

आयुष्मान भारत की उपलब्धियों का हर्ष मनाते हुए, हमें आगे आने वाली चुनौतियों को भी स्वीकार करना चाहिए। योजना का पैमाना विशाल है, और इसके साथ इसे लगातार अनुकूलित, परिष्कृत और सुधारने की जिम्मेदारी आती है। हम योजना की पहुंच को बढ़ाने, अस्पतालों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने और हर लाभार्थी को प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

आगे बढ़ते हुए, हम आयुष्मान भारत को मजबूत करना जारी रखेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह भारत की समग्र, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की यात्रा में सबसे आगे बना रहे। हम योजना के तहत कवर किए गए उपचारों की सूची का विस्तार करने, सूचीबद्ध अस्पतालों की संख्या बढ़ाने और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के सफल निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि किसी भी राष्ट्र का स्वास्थ्य उसकी समृद्धि की नींव है। स्वस्थ जनता देश के विकास, उत्पादकता और नवाचार में योगदान करने में सक्षम होती है। आयुष्मान भारत इस स्वस्थ, मजबूत और विकसित भारत की संकल्पना का केंद्र है।

अब तक की योजना की सफलता सरकार, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और लोगों के बीच की गई कड़ी मेहनत, समर्पण और सहयोग को दर्शाती है। हम प्रत्येक नागरिक के कल्याण और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की छठी वर्षगांठ पर, आइए हम सभी नागरिकों के लिए एक समावेशी, सुलभ और सहानुभूतिपूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भारत के निर्माण की यात्रा को जारी रखेंगे।

टैगोर से दूर जाता बांग्लादेश

आर.के. सिन्हा

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के लिखे अपने ही राष्ट्रगान को बांग्लादेश का वर्तमान शासन अब बदलना चाहता है। यानी अब बांग्लादेश अब उसी राष्ट्र गीत से दूर हो रहा है, जिसे उसने 1972 में अपनी स्थापना के वक्त धूमधाम से अपनाया था। इसकी वजह सिर्फ यही है कि टैगोर हिन्दू थे। अब आप समझ सकते हैं कि भारत के पड़ोसी देश में कठमुल्लों का असर

कितना अधिक होता जा रहा है। बांग्लादेश में शेख हसीना वाजेद सरकार का तख्ता पलटने के बाद कठमुल्ले चाहते हैं कि गुरुदेव टैगोर का लिखे राष्ट्रगीत को बदल कर किसी अन्य गीत को देश का राष्ट्र गीत बना दिया जाए। देखिए मुस्लिम–बहुल देशों में गैर–मुस्लिमों को जीवन के किसी भी क्षेत्र में बहुत कम स्पेस मिलता है। उन्हें हर तरह से सभी मायने में दूसरे दर्जे का नागरिक ही माना जाता है। मुस्लिम देशों में राष्ट्रीय पहचान के मुद्दों पर फैसले लेते वक्त धार्मिक नेताओं की पसंद और नापसंद को बहुत अहमियत मिलती है।

वैसे तो बांग्लादेश में, नई सरकार के धार्मिक मामलों के सलाहकार ए.एफ.एम. खालिद हुसैन कह रहे हैं कि बांग्लादेशी के राष्ट्रगान को बदलने की ष्कोई योजना नहींष है। सरकार ष्ऐसा कुछ नहीं करेगी जिससे विवाद पैदा हो।ष हालांकि, जन्नत की हकीकत कुछ और है। बांग्लादेश में मौजूदा राष्ट्रगीत को बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। बांग्लादेश के राष्ट्रगानष्आमार सोनार बांग्लाष (श्मेरा स्वर्णिम बंगालश) की धुन बाउल गायक गगन हरकारा के ष्अमी कोथाय पाबो तारेष से ली गई है, जो दादरा ताल पर आधारित है। इसकी आधुनिक वाद्य प्रस्तुति की व्यवस्था बांग्लादेशी संगीतकार समर दास ने की थी।

दरअसल बांग्लादेश में अब बहुत कुछ अप्रत्याशित सा ही हो रहा है। वहां स्वतंत्रता आंदोलन में लड़ने वाले और उसका विरोध करने वाले एक साथ मिल रहे हैं। देश के राष्ट्रगान को बदलन की मांग अब्दुल्लाहिल अमान आजमी भी कर रहे हैं। उनके पिता बांग्लादेश की जमाते ए इस्लामी पार्टी के शिखर नेता थे। उन्हें स्वाधीनता आंदोलन के समय पाकिस्तान सेना का साथ देने के कारण फांसी दे दी गई थी। उनके अलावा भी बांग्लादेश में बहुत से असरदार लोगों का कहना है कि उनके देश में एक हिन्दू के लिखे गीत को राष्ट्रगीत के रूप में थोपा गया। इसे बदला जाना ही चाहिए।

इस तरह की मांग करने वालों में कर्नल ओ. अहमद और कर्नल राशिद चौधरी भी शामिल हैं, जो देश के संस्थापक मुजीब उल रहमान की 1975 में हुई हत्या की साजिश में दोषी ठहराए गए थे। यह दोनों अब कनाडा में रह रहे हैं।

गुरुदेव टैगोर को हिन्दू कवि कहने वाले अज्ञानी भूल रहे हैं कि वे मूल रूप से पूर्वी बंगाल से ही थे जो अब बांग्लादेश बन गया है और उनके परिवार की वहां प्रचुर संपत्तियां थीं। बांग्लादेश में काजी नजरुल इस्लाम जैसे महान बांग्ला कवि को भी खारिज किया जा है क्योंकि उन्होंने हिन्दू देवी– देवताओं की स्तुति में लिखा है । बांग्लादेश में ऐसे गीत की मांग हो रही है जिसमें ष्दूसरी स्वतंत्रताष का उल्लेख हो। बांग्लादेश में यूएनआई न्यूज एजेंसी के संवाददाता के रूप में काम कर चुके वरिष्ठ पत्रकार और संपादक महेन्द्र वेद बताते हैं कि बांग्लादेश में राष्ट्रगान बदलने की मांग शेख मुजीब की अगस्त 1975 की हत्या के तुरंत भी बाद शुरू हुई थी। राष्ट्रपति खोंडकर मुश्ताक अहमद ने एक समिति का गठन किया जिसने राष्ट्रगान को कघजी नजरुल इस्लाम या फारूख अहमद के लिखे गीतों से से बदलने का प्रस्ताव रखा था। हालाँकि, उस वर्ष नवंबर में खोंडकर के हटाए जाने के बाद यह पहल पूरी नहीं हुई।

राष्ट्रपति जिया उर रहमान के नेतृत्व में, श्राष्ट्रवादियोंश ने ष्एक अधिक बांग्लादेश–केंद्रित राष्ट्रगानष को अपनाने की मांग की। 1979 में, कैबिनेट को भेजे गए एक पत्र में, तत्कालीन प्रधान मंत्री शाह अजीजुर रहमान, जो मुस्लिम लीग के पूर्व नेता थे, ने तर्क दिया कि अमार सोनार बांग्ला ष्राष्ट्रीय पहचान और संस्कृति के विपरीतष है क्योंकि इसे ष्एक ऐसे व्यक्ति द्वारा लिखा गया था जिसकी गैर–बांग्लादेशी पृष्ठभूमि थीष। उन्होंने ष्प्रथम बांग्लादेशष का प्रस्ताव रखा। जिया के राष्ट्रपति पद के दौरान, राष्ट्रीय टेलीविजन और सरकारी कार्यक्रमों के दौरान ष्आमार सोनार बांग्लाष के बाद यह गीत बजाया जाता था। 1981 में जिया की हत्या के बाद यह बंद हो गया। यह गीत वर्तमान में जिया की बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) का ष्पार्टी गीतष है।

जिया की पत्नी बेगम खालिदा जिया 2002 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं जब बांग्लादेश जमात–ए–इस्लामी के नेता मोतीउर रहमान निजामी ने ष्इस्लामी मूल्यों और भावनाष को शामिल करने के लिए टैगोर के गीत में संशोधन करने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि देश कि कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। बहरहाल,बांग्लादेश के संस्थापक नेता शेख मुजीब की मूर्तियाँ नष्ट कर दी गईं और पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की पुण्यतिथि मनाई गई। बहुत साफ है कि बांग्लादेश अब बदल रहा है। उस पर कठमुल्लों का असर बढ़ता जा रहा है।

अब बांग्लादेश उस पाकिस्तान के करीब आ रहा है जिसकी सेना ने ईस्ट पाकिस्तान में भयंकर कत्लेआम किया था। बांग्लादेश में 1971 में हिन्दुओं पर पाकिस्तानी सेनाओं का कहर टूटा था। उस समय खुलना , खुष्तिया, इसर्दीह आदि स्थानों पर क्या नरसंहार हुआ , क्या तबाही का आलम था , एक युद्ध संवाददाता के रूप में उसका प्रत्यक्षदर्शी गवाह स्वयं मैं हूँ । न्यूयार्क टाइम्स ने अपनी 29 जून, 1971 की एक लोमहर्षक रिपोर्ट में पूर्वी पाकिस्तान के शहर फरीदपुर में सेना के आतंक की कहानी बयां की थी। पाकिस्तानी सेना ने फरीदपुर में हिंदुओं की दुकानों पर बड़े पीले रंग से 'एच' लिख दिया था जिन्हें सेना ने लूटना था। जाहिर है, 'एच' का मतलब हिन्दुओं की दुकानों से था। फरीदपुर के दस हजार हिंदुओं में से अधिकतर की हत्या कर दी गई थी और बचे–खुचे भारत में जान बचा कर चले गए थे। दरअसल 1971 में पाकिस्तानी फौजों ने फरीदपुर ही नहीं, बल्कि सारे पूर्वी बंगाल में हिन्दुओं को मारा था। पाकिस्तानी सेना पूर्वी पाकिस्तान से हिन्दुओं का नामोनिशान मिटाने पर लगी हुई थी। अब ये सवाल नहीं है कि जब भारत का बंटवारा हुआ था, उस समय पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में हिन्दू वहां की आबादी के 30 से 35 फीसदी के बीच थे या अधिक। यह सवाल भी नहीं हैं कि क्या बांग्लादेश हिन्दू–विहीन हो जाएगा और वहां से गुरुदेव टैगोर के लिखे राष्ट्र गीत को खत्म कर दिया जाएगा ?

ठंड की तैयारियों के दृष्टिगत अधिकारियों के साथ की बैठक

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कैम्प कार्यालय के सभागार में ठंड व शीतलहर की तैयारियों के दृष्टिगत अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद में जो भी रैन बसेरे है उनकी साफ–सफाई, शौचालय, स्वच्छ पेयजल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये जिससे ठण्ड के समय निराश्रित एवं असहाय तथा कमजोर व्यक्तियों को किसी भी प्रकार की समस्या न उत्पन्न होने पाये और कोई भी व्यक्ति सड़को के किनारे सोता हुआ मिले तो उसे रैन बसेरों में भेजा जाये। उन्होने निर्देशित किया कि पर्याप्त मात्रा में अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये जिससे ठंड/शीतलहर के दौरान ठंड से प्रभावित लोगो को सहारा मिल सके। भीड़–भाड़ वाले स्थलों, चौराहों आदि महत्वपूर्ण जगहों पर अलाव जलाया जाये।

उन्होने अधिकारियों से कहा कि रात्रि भ्रमण के दौरान अपने पास कम्बल को अवश्य रखें, यदि कहीं पर भी कोई गरीब, असहाय व्यक्ति ठंड से प्रभावित मिले तो उन्हें कम्बल अवश्य उपलब्ध करायें। उन्होने कहा कि कम्बल वितरण की कार्यवाही में जनप्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल करते हुये जनमानस को कम्बल वितरण कराया जाये। अपने–अपने क्षेत्र के अन्तर्गत सम्बन्धित अधिकारीगण भ्रमण करेगें और जरूरतमंद लोगों को सुविधायें मुहैया करायेगें। उन्होने कहा कि जनपद की सीमा के अन्तर्गत मुख्य मार्गो एवं विशेषकर दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में सफेद थर्मोप्लास्टिक पेन्ट द्वारा पट्टियों को दर्शाने, रिफलेक्टर, सोलरकैट साईन एवं डेलिवेटर लगाये जाने का कार्य अवश्य पूर्ण कर लिया जाये तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कृषि कार्यो में उपयोग में आने वाली ट्रैक्टर ट्रालियों के पीछे रेडियम की पीली पट्टी अभियान चलाकर लगवायी जाये जिससे कि कोहरे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण किया जा सके। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि गौशालाओं में गोवंशों को ठण्ड से बचाव हेतु सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित कर ली जाये। ठंड व शीतलहर के दौरान अधिकारियों द्वारा जो भी कार्यवाही की जाये उसकी रिपोर्ट जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण को उपलब्ध कराया जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दबंग ने मामूली विवाद में चाचा–भतीजों को पीटा

चायल, कौशाम्बी। संदीपन घाट थानाक्षेत्र के पैगम्बरपुर गांव में गुरुवार की शाम मामूली विवाद में दबंग ने कुनबे संग चाचा–भतीजों को जमकर पीट दिया। पिटाई से चारों को काफी चोटें आईं।शोर सुनकर वहां पहुंचे लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया। घायलों ने थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ मामले की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

संदीपन घाट क्षेत्र के पैगम्बरपुर गांव निवासी दशरथलाल पुत्र छोटेलाल मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता है। उसके अनुसार गुरुवार की शाम उसका चचेरा भाई सत्यवान पुत्र कुंवारे लाल जरुरी सामान खरीदने के लिए मोहल्ले के एक दुकान पर गया था। दुकान के पास खड़े युवक ने उससे दुकान से सामान खरीदने से मना किया।कारण पूछने पर उस युवक ने बताया कि उससे और दुकानदार के बीच झगड़ा हो गया है। इसलिए वह किसी को इस दुकान से सामान नहीं खरीदने दे रहा।

सत्यवान के उसकी बात न मानने पर वह युवक उसके साथ गाली–गलौच करने लगा। आरोप है कि गाली का विरोध करने पर उसने अपने घर से आधा दर्जन लोगों को बुलाकर उसकी पिटाई करना शुरू कर दिया। सत्यवान के पिटने की सूचना पाकर उसे बचाने पहुंचे भाई दशरथलाल भतीजों राजू और सुरेश को भी उन्होंने पीट दिया।पिटाई से चारों को काफी चोटें आईं।शोर सुनकर वहां पहुंचे लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया। घायलों ने थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ घटना की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

गन्ना तौल केन्द्र पुनः होंगा संचालित

सुलतानपुर। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड सुल्तानपुरध्अमेठी प्रबंध कमेटी की बैठक बुधवार को समिति अध्यक्ष शिवपाल सिंह उर्फ गांधी सिंह की अध्यक्षता में रुद्रनगर स्थिति सहकारी गन्ना विकास समिति कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में निदेशकों के सुझाव सर्वसम्मति से समिति कार्यालय की मरम्मत, रंगाई, पुताई व सौन्दर्यीकरण का निर्णय लिया गया है। बैठक में गन्ना तौल केन्द्र हलियापुर एंव शम्भूगंज पुनःसंचालित करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से चर्तुथ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्त के सम्बन्ध में प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में गन्ना किसानों के विकास एवं उनके हितों के बारे में भी चर्चा की गई। बैठक में डायरेक्टर कालीसहाय पाठक, ओमकार तिवारी, अशोक वर्मा, शिवशंकर वर्मा, रमेश कुमार, सिंह, अजय कुमार सिंह, शेखर मिश्र, दिलवंत सिंह मौजूद रहे। इसके अलावा गन्ना विकास समिति के सचिव एस.के.सिंह, चीनीमील सुल्तानपुर से सी.सी.ओ. वी.पी शुक्ल, हैदरगढ चीनीमील से सी.डी. आई. कामेश्वर सिंह एंव अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संक्षेप

पंचकर्म व एक्यूप्रेशर से खत्म होगा शुगर और मोटापाः डॉ. रश्मि

बाराबंकी(आरएनएस)। बाराबंकी शहर में पहली बार नेचुरोपैथी एवं पंचकर्म वा योग एक्यूप्रेशर हॉस्पिटल का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष शिला सिंह ने फीता काट कर किया। मुगल दरबार में स्थित नेचरोपैथी एवम् पंचकर्म और योग

एक्यूप्रेशर द्वारा सभी रोगों का बिना दवाइयों के सफल इलाज किया जाता है। जिसमें आयुर्वेदिक मसाज स्टीम शिरोधारा जानू बस्ती, कटी बस्ती, ग्रीवा बस्ती द्वारा मर्म चिकित्सा द्वारा इलाज होता है। केरल की सबसे पुरानी चिकित्सा है। पहली बार आपके शहर बाराबंकी में पंचकर्म षट्कर्म योग द्वारा बिना दवाई सर्वाइकल, साइटिका, घुटना, बनाने कमर, शुगर, मोटापा, डिप्रेशन अन्य प्रकार की बीमारियों को जड़ से समाप्त करके आपको नया जीवन प्रदान होता है। हॉस्पिटल संचालिका रश्मि जायसवाल ने बताया कि आयुष्मान नेचरोपैथी एवं पंचकर्म से शुगर, मोटापा, सर्वाइकल जैसी गंभीर बीमारी से पूरी तरह छुटकारा मिल जाएगा। योग और इलाज से मरीज को पूरी तरह राहत मिलती है। हॉस्पिटल में ही सभी प्रकार का इलाज मिलता है। कुशल डॉक्टरों की देखरेख में सभी मरीजों को उचित इलाज किया जाता है। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र वर्मा, उमेर किदवई, सुमन श्रीवास्तव, अरविंद वर्मा आदि मौजूद थे।

कार और पिकअप में टक्कर, गम्भीर

जैदपुर बाराबंकी।थाना जैदपुर अन्तर्गत बुधवार सुबह जैदपुर कस्बे बाईपास के पास पिकअप और कार में सीधी टक्कर में सीधी टक्कर हो गयी। जिसमें कार सवार युवक को गम्भीर चोटे आयीं। जिसको सीएचसी जैदपुर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, जैदपुर कस्बे के बाईपास पर सिद्धौर की तरफ से आ रही पिकअप व थाने चौराहे की तरफ उधर जा रही कार अचानक आमने सामने आगई। पिकअप और कार चालक दुर्घटना से बचने के लिए पूरा प्रयास किया। लेकिन तेज रफ्तार होने की वजह से पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। जिस पर इलेक्ट्रॉनिक का सामान लदा हुआ था। कार पिकअप में टकराने से एक युवक चालक घायल हो गया जिसको इलाज के जैदपुर अस्पताल भर्ती कराया गया है।

नामों की घोषणा 22 को

अयोध्या।(आरएनएस) अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान द्वारा दिए जाने वाले माटी रतन सम्मान पाने वाले नामों की घोषणा आगामी 22 को की जाएगी। काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष के अवसर पर दिया जाने वाला यह 26 माटी रतन सम्मान होगा। पूर्वांचल में यह सम्मान नोबेल पुरस्कार की तरह प्रतिष्ठित है। माटी रतन सम्मान प्राप्त एक दर्जन लोगों को भारत सरकार का प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार प्राप्त हों चुका है। संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पाण्डेय ने बताया कि माटी रतन सम्मान चयन समिति ने माटी रतन सम्मान के लिए वर्ष 2024 के लिए नामों को अंतिम निर्णय करके संस्थान को सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि सम्मान प्रतिवर्ष काकोरी एक्शन के शहीदों के शहादत दिवस 19 को समारोह पूर्वक दिया जाता है। माटी रतन सम्मान पाने वाले प्रमुख लोगों में रफीक सादानी,अदम गोंडवी, डॉ विजय बहादुर सिंह,डा दूध्नाथ सिंह, अरुणिमा सिन्हा, नेहा सिंह राठौर,डा विद्या बिन्दु सिंह, अनवर जलालपुरी,वेकल उत्साही, मुनव्वर राना आदि प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि समारोह आगामी 19 दिसंबर को सिविल लाइंस स्थित प्रेस क्लब में किया जाएगा।

सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी

अयोध्या(आरएनएस)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अन्तर्गत संचालित स्नातक विषम सेमेटर की परीक्षा तीन पालियों में शुरू होगी, जो 24 जनवरी, 2025 तक चलेगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने परीक्षा कार्यक्रम जारी किया। यह परीक्षा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सात जनपदों के 494 केन्द्रों पर होगी। जिनमें बीए, बीएससी, बीकॉम प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर में 4 लाख 62 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुलपति के निर्देश पर स्नातक विषम सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। परीक्षा 03 दिसम्बर से शुरू होकर 24 जनवरी तक चलेगी। स्नातक विषम सेमेस्टर की परीक्षा तीन पालियों में होगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 8 से 10 बजे, द्वितीय पाली की परीक्षा 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक व तृतीय पाली की परीक्षा अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे चलेगी। विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए केन्द्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान कर दिया है। स्नातक सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को

अयोध्या।(आरएनएस) उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के अनुपालन में जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अयोध्या की देखरेख में 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराया जा सकता है। राष्ट्रीय लोक अदालत में निम्नांकित विषयों से संबन्धित वादों का निस्तारण किया जायेगा–'प्रिलिटीगेशन स्तर के विवाद–धारा 138 पराक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट), बैंक वसूली वाद, श्रम विवाद वाद, विद्युत एंव जलवाद बिल (अशमनीय छोड़ कर) व अन्य (आपराधिक शमनीय, पारिवारिक एवं अन्य व्यवहार वाद) न्यायालय में लम्बित वाद (जो नेशनल जुडीशियल डाटा ग्रिड पर प्रदर्शित हो)–आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट), बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाऐ, श्रम विवाद वाद, विद्युत एंव जलवाद बिल (अशमनीय छोड़ कर), पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण वाद, सर्विस मैटर से संबंधित वेतन, भत्ता और सेवानिवृत्ति लाभ के मामले, राजस्व वाद, जो जनपद न्यायालय और उच्च न्यायालय में लम्बित हों व अन्य सिविल वाद (किरायेदारी, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा वाद, विशिष्ट अनुतोष वाद) आदि। उक्त जानकारी अपर जनपद न्यायाधीशध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार वर्मा ने दी है।

मनाया गया धर्म रक्षा कार्यक्रम

बड्डूपुर, बाराबंकी।(आरएनएस) विष्व हिंदू परिषद प्रखंड निदूरा में धर्म रक्षा निधि पूजन कार्यक्रम कुंडवां चौराहा टिकैत गंज कार्यालय में

संपन्न हुआ, जिसमें सभी आयाम सहित पूर्ण प्रखंड कार्यकारिणी,बजरंगदल प्रखंड टोली, विचार परिवार के सभी बंधु व सभी सनातनी हिन्दू, विष्व हिंदू परिषद के वार्षिक धर्म रक्षा निधि पूजन कार्यक्रम में भाग लिया।बुधवार को विकास खण्ड निदूरा के टिकैतगंज कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश का उद्बोधन प्राप्त हुआ उनके साथ जिला मंत्री राहुल कुमार, जिला कार्याध्यक्ष रामनाथ मौर्य, तुलसीराम चौहान, अमित गुप्ता, अरविन्द यादव, मुकेश सिंह, उमेश यादव, अनुज मौर्या, रमाकांत वाजपेयी, सर्वेश सोनी, राम प्रकाश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

उद्यान विभाग के दैनिक कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

अयोध्या। अयोध्या के उद्यान एवं खाद्य प्रस्करण विभाग मे संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर गुप्तार घाट स्थित उद्यान विभाग कार्यालय के गेट पर धरना प्रदर्शन का नारेबाजी किया। उद्यान विभाग में कार्यरत संविदा कर्मचारीयों के अध्यक्ष शुभम सिंह ने आरोप लगाते हुये बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्यान विभाग से संविदा कर्मचारियों की लिस्ट विभाग से मांगा था। कि उद्यान विभाग में कितने कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। उद्यान विभाग द्वारा शासन को गलत सूचना दे दिया गया. क्योंकि हमारे विभाग में 185 कर्मचारी संविदा पर कार्यरत है लेकिन विभाग ने शासन को 160 लोगों की सूची भेजी। गलत सूचना के विरोध में हम लोग पहले भी धरना प्रदर्शन कर चुके हैं। और मांगे ना पूरी होने के कारण आज भी हम लोग धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी प्रमुख मांग है शासन को उद्यान विभाग की तरफ से विभाग मे कार्यरत कर्मचारियों की गलत सूची भेजी गई है। और हम लोगों को सरकार द्वारा बनाए गए जी एम पोर्टल के माध्यम से हम लोगों को और सभी दैनिक कर्मचारियों को ठेके प्रथा पर कर रहे हैं जो बिल्कुल गलत है हम लोग उसका विरोध करते हैं और धरना प्रदर्शन कर रहे हैं और मांग करते हैं कि उद्यान विभाग में 20 से 25 साल से दैनिक कर्मचारी कार्य कर रहे हैं 185 कर्मचारी विभाग में कार्यरत हैं उनको पद के हिसाब से स्वीकृत किया जाए और हम लोगों को 26 दिन का वेतन दिया जाए इन्हीं मांगों का ज्ञापन दैनिक कर्मचारियों ने उद्यान विभाग के अधीक्षक को दिया। इस दौरान सैकड़ो कमैचारी मौजूद थे।

मांगें पूरी न हुई तो अनशन करेंगें सफाई कर्मी

चित्रकूट(आरएनएस)। सफाई कर्मचारियों ने जिला पंचायत राज अधिकारी को पांच सूत्रीय ज्ञापन दिया। कहा कि यदि उनकी मांगे नहीं मानी गई तो सफाई कर्मचारी क्रमिक अनशन शुरु कर देंगे। दिए गए ज्ञापन में मांग किया है कि सफाई कर्मचारियों को कार्यालय के कार्य से मुक्त किया जाए। ऐरियर का भुगतान समय से हो। मृतक अनुकंपा के तहत नियुक्ति कर्मचारियों के वेतन का निधारण किया जाए।

ताइक्वांडो चौंपियनशिप का हुआ आयोजन

अयोध्या। ए.के सावन मेमोरियल ताइक्वांडो चौंपियनशिप का आयोजन इंटरनेशनल स्कूल ऑफ लर्निंग के प्रांगण में दिनांक अयोध्या ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान अयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अरविंद सावंत ने दीप प्रज्जवलित कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

इस मौके पर विद्यालय के निदेशक किशन सावन प्रिंसिपल मोहिता खत्री और अन्य राधे प्रजापति, मोहिनी चौरसिया, साक्षी आनंद मयंक शर्मा करमजीत सिंह नीलम यादव प्रदीप शिक्षक गण मौजद रहे। प्रतियोगिता में यूनिवर्सल एकेडमी ,डी.आर.एम पब्लिक स्कूल, एल.पी.एस तेंदुआमाफी बीकापुर ,इंटरनेशनल स्कूल ऑफ लर्निंग, नेवल्स नेशनल एकेडमी, आदि विद्यालयों ने तायक्वाडो प्रतियोगिता प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल द्वारा सब जूनियर 38 से 41 किलो भार वर्ग में राघव (गोल्ड मेडल) स्कूल),आयुष्मान (सिल्वर मेडल),वैभव (ब्रॉन्ज मेडल),शशांक (ब्रॉन्ज मेडल) 35 से 38 किलो भार वर्ग में आयुष (गोल्ड मेडल),अक्षय (सिल्वर मेडल),हर्षल (ब्रॉन्ज मेडल),दिव्यांश (ब्रॉन्ज मेडल) 32 से 35 किलो भार वर्ग में,रुद्रांश (गोल्ड मेडल),सार्थक (सिल्वर मेडल),यश (ब्राउज मेडल),वेदांत (ब्रोंज मेडल) 29 से 32 किलो भार वर्ग में,अतुल (गोल्ड मेडल),अमन (सिल्वर मेडल),दिव्यांश सिंह (ब्रोंज मेडल),यश (ब्रांच मेडल)26 से 29 किलो भार वर्ग में रिदम (गोल्ड मेडल),विवेक (सिल्वर मेडल),अर्णव (ब्रोंज मेडल),शिवांश (ब्रोंज मेडल)सब जूनियर गर्ल्स में 38 से 35 किलोग्राम वर्ग में अर्णव (गोल्ड मेडल),यशस्वी (सिल्वर मेडल),स्नेहा (ब्राउंस मेडल),काव्या (ब्रॉन्ज मेडल) 32 से 35 किलोग्राम वर्ग में संजू (गोल्ड मेडल)आदिति (सिल्वर मेडल),अनुरुद्र (ब्रॉन्ज मेडल),आराध्या (ब्रॉन्ज मेडल) 29 से 32 किलोग्राम वर्ग में आस्था (गोल्ड मेडल),नैंसी (सिल्वर मेडल),यशस्वी यादव (ब्रॉन्ज मेडल) 26 से 29 किलोग्राम वर्ग में कौशिकी (गोल्ड मेडल),खुशी (सिल्वर मेडल),अन्यया (ब्रोंज मेडल) 23 से 26 किलोग्राम वर्ग में सौम्या (गोल्ड मेडल),आस्था (सिल्वर मेडल) मिस्टी (ब्रॉन्ज मेडल), ईशा श्रीवास्तव (ब्रॉन्ज मेडल) प्राप्त करके वाहवाही लूटी। प्रतियोगिता में निर्णय की भूमिका में विशाल कुमार गुप्ता, पूजा यादव, शगुन सोनी, मुस्कान अग्रवाल, श्रेयारावत , अंकित कौशल ने की। समापन पर आयोजन समिति ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नियमों के पालन से रुकेंगे हादसे

पश्चिम शरीरा (कौशाम्बी)। हेलमेट पहनकर ही वाहन को चलाइये, साथ ही बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले दूसरे लोगों को भी जागरूक करिये। यह बातें मंगलवार को पश्चिम शरीरा बस स्टैंड चौराहे पर यातायात माह जागरूकता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सीओ कौशाम्बी अभिषेक सिंह ने उन बीस दो पहिया वाहन चालकों से कहीं, जिन्हें कार्यक्रम पर चंद्रौल मोटर्स और पुलिस की ओर से हेलमेट वितरित किया गया।क्षेत्राधिकारी ने यातायात जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद वाहन चालकों तथा स्थानीय लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी। बताया कि सड़क हादसों को कम करने तथा लोगों

➤ यातायात माह पर क्षेत्राधिकारी ने हेलमेट का किया वितरण

➤ यातायात की नियमों की दी जानकारी

में यातायात नियमों का पालन कराने के उद्देश्य से पूरे नवंबर में यातायात माह चलाया जाता है। इस दौरान बताया कि अनाधिकृत रूप से लगे लाल, नीली फ्लेसर बत्ती के विरुद्ध, वाहनों पर लगे अनाधिकृत रूप से हूटर्स, सायरन, प्रेशर हार्न, काली फिल्म को हटाया जायेगा। बिना डीएल के वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। बिना पेपर के वाहन चलाने वालों के साथ यातायात नियम– संकेतों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।इस दौरान थानाध्यक्ष त्रिलोकीनाथ पाण्डेय,आयोजक अनिल सिंह, हेड कांस्टेबल रमेश चंद्र दुबे ,आकाश मिश्र,,लवलेश लोधी, सहित मौजूद रहे।

नई सूक्ष्म इकाइयों के स्थापना हेतु युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का शुभारम्भ

श्रावस्ती। सहायक आयुक्त उद्योग सर्वेश दीक्षित ने बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को गति प्रदान करने हेतु सूक्ष्म उद्योगों को प्रोत्साहित करने एवं इस क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार सृजित किये जाने तथा प्रदेश में पूंजी निवेश को आकर्षित करने हेतु प्रतिवर्ष 01 लाख नई सूक्ष्म इकाईयां स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। उक्त योजना को मिशन मोड में आगामी 10 वर्षों की समयावधि में कुल 10 लाख नई सूक्ष्म इकाइयां स्थापित किये जाने के महत्वपूर्ण उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक महत्वाकांक्षी नई योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रारम्भ किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत आवेदक का उत्तर प्रदेश का निवासी तथा आयु 21 से 40 वर्ष होना अनिवार्य है। तथा आवेदक की शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा आठ उत्तीर्ण होनी चाहिए व इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अथवा समकक्ष को वरीयता दिये जाने का प्रावधान है। आवेदक सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं जैसे विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना, अनुसूचित जातिध्जनजातिध्अन्य पिछडा वर्ग प्रशिक्षण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल डेवलपमेन्ट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन आदि में प्रशिक्षित हो अथवा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालयध् शैक्षणिक संस्थान से कौशल संबंधी सर्टीफिकेट कोर्सध्डिप्लोमाध्डिग्री प्राप्त हो। योजनान्तर्गत पूर्व में पी०एम० स्वनिधि योजना के अतिरिक्त राज्य अथवा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य योजना में ब्याज अथवा पूंजी उपादान का लाभ प्राप्त न किया हो। योजना के अंतर्गत उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम रु0 5.00 लाख तक की परियोजनाओं के ऋण पर अनुदान दिये जाने का प्रावधान है तथा रू० 5.00 लाख से अधिक रू० 10.00 लाख तक परियोजना लागत वाली इकाइयों में ऋणध्वित्त की व्यवस्था लाभार्थी को स्वयं के स्रोतों से करनी होगी, जिसके सापेक्ष कोई अनुदान देय नहीं होगा। सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजातिध्दिव्यांगजन के लाभार्थी को कमशः परियोजना लागत का 15 प्रतिशत, 12.5 प्रतिशत एवं 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। लाभार्थी को परियोजना लागत अथवा अधिकतम रु 5.00 लाख जो भी कम हो का 10 प्रतिशत मार्जिन मनीध्सब्सिडी के रूप में दिया जायेगा। परियोजना लागत अथवा अधिकतम रु 5.00 लाख जो भी कम हो के सापेक्ष बैंक अथवा वित्तीय संस्था से लिये गये शत्प्रतिशत ब्याज का उपादान वित पोषण की तिथि से अगले चार वर्ष तक त्रैमासिक आधार पर दिया जायेगा। द्वितीय चरण में परियोजना लागत अधिकतम 10.00 लाख तक हो सकेगा। विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में समय पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 05 बजे तक कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, श्रावस्ती से सम्पर्क किया जा सकता है।

छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

पाली(हरदोई)(आरएनएस)' विश्वविद्यालय स्तरीय महिला वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता 2024 का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के कैम्पस स्थित महाराज जिम्नेजियम हाल में किया गया। जिसमें कोच दीपक सिंह के नेतृत्व में स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय आगमपुर शाहाबाद हरदोई की बी0ए0 पंचम सेमेस्टर की छात्रा निकिता वर्मा व नेहा वर्मा ने अलग–भार वर्ग में प्रथम स्थान तथा बीए0 प्रथम सेमेस्टर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय के साथ–साथ अपने माता पिता व गुरुजनों का नाम रोशन किया है। महाविद्यालय प्रबन्धक डॉ ए0बी0 सिंह,डॉ धीरू सिंह समेत समस्त स्टॉफ ने उक्त छात्राओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय प्रबंधक ए0बी0 सिंह ने बताया कि उक्त तीनों छात्राओं का चयन नार्थ जोन यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए हुआ है।यह प्रतियोगिता जनवरी 2025 में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर पंजाब में आयोजित की जाएगी।

डीएम ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कर दिए निर्देश

चित्रकूट।(आरएनएस) डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उन्होंने प्रमुख चौराहा, मार्गों पर

➤ निर्देश दिए कि एनएच के कट पर लगाए रबल स्ट्रिप, सांकेतिक बोर्ड

इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल, जेब्रा क्रॉसिंग, फुटपाथ चिन्हांकन, हेलमेट, सीट बेल्ट, रांग साइड ड्राइविंग, ओवर स्पीडिंग, ओवरलोडिंग, रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप के विरुद्ध कार्यवाही, ब्लैक स्पॉट सुंदरीकरण, सड़क दुर्घटनाओं को लक्ष्य के सापेक्ष मृतकों एवं घायलों की संख्या, दुर्घटना का कारण व कमी लाए जाने पर विचार विमर्श, गुड सेमेरिटन, मृतकों, घायलों को सहायता राशि के वितरण, गोल्डन आवर में चिकित्सीय सुविधा, ट्रामा सेंटर द्वारा उचित इलाज की व्यवस्था, पब्लिसिटी बैन से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता आदि की समीक्षा बिंदुवार की।

डीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोड सेफ्टी के तहत एनएच की सड़कों पर जहां कट है वहां पर रंबल स्ट्रिप, सांकेतिक बोर्ड अवश्य लगाया जाए। मोहरवां पुल राजापुर को तत्काल ठीक करें। पुलिस क्षेत्राधिकारी यातायात से कहा कि बड़े वाहनों पर वहां से आने–जाने के लिए रोक लगाई जाए। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि देवांगना मार्ग पर जो अंतर्राज्यीय गेट का निर्माण कराया गया है वहां पर निर्माण सामग्री पड़ी है उसे अच्छी तरह से साफ सफाई कराई जाए।

सरधुआ से जो अर्की रोड अत्यंत खराब है उसको भी ठीक कराया जाए। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि जो मुख्य मार्गों पर विद्यालय है वहां पर प्रवेश द्वार पर रंबल स्ट्रिप की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। तहसील कर्वी के पास जो वाहन सड़क पर खड़े रहते हैं उनके लिए वाहन स्टैंड की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने उप जिलाधिकारी कर्वी, पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि संयुक्त भ्रमण कर टेंपो टैक्सी वाहन स्टैंड के लिए जगह चिन्हित कर व्यवस्थित कराया जाए। बैठक में सीओ यातायात राजेश कुमार द्विवेदी, अधिशासी अभियंता लोनिवि संतोष कुमार, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी विवेक कुमार शुक्ला, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह, यात्री कर अधिकारी दीप्ति त्रिपाठी, प्रधानाचार्य चित्रकूट इंटर कॉलेज डॉ रणवीर सिंह चौहान, यातायात प्रभारी शैलेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

निर्वाणी अखाड़े में साधुओं के हैं चार विभाग... तीन साल की सेवा के बाद मिलती है मुरेटिया की पदवी

प्रयागराज। वैष्णव संप्रदाय के तीन अखाड़ों में निर्वाणी अनि अखाड़ा संस्कृति–भक्ति की रक्षा के केंद्र के रूप में सबसे शक्तिशाली माना जाता रहा है। चाहें संतों की सुरक्षा का मसला रहा हो या फिर हिंदू देवी–देवताओं के मठ–मंदिरों के संरक्षण का, निर्वाणी अनि अखाड़ा हमेशा सनातन संस्कृति की आवाज के रूप में सुर्खियों में रहा है। यह पहला अखाड़ा है, जहां साधु चार विभागों में काम करते हैं। अयोध्या में हनुमानगढ़ी पर अधिकार होने की वजह से यह सबसे ताकतवर अखाड़ा माना जाता है। इसके श्रीमहंत ध र्मदास राम मंदिर मामले में पक्षकार रहे हैं। वह बताते हैं कि निर्वाणी अनि अखाड़े में साधुओं के चार विभाग हैं। इनमें हरद्वारी, वसंतिया, उज्जैनिया और सागरिया प्रमुख हैं। महंत धर्मदास बताते हैं कि इस अखाड़े में महंत की पदवी पाने के लिए नए संन्यासियों को लंबे समय तक गुरु की सेवा करनी पड़ती है। गुरु के प्रसन्न होने पर श्रीपंच की राय से महंत की गद्दी मिलती है। जब भी कोई नया साधु संन्यास ग्रहण करता है तो तीन साल की सेवा के बाद उसे 'मुरेटिया' की पदवी दी जाती है। इसके अलावा, पंचायती वैष्णव अखाड़े की परंपरा के अनुसार नया उदासीन अखाड़ा देव भाषा संस्कृत, संस्कृति, ज्ञान, भक्ति और नैतिकता की अलख जगाने वाला है। श्वेत वस्त्रधारी संतों वाले इस अखाड़े में पंच प्रेसीडेंट ही सर्वोपरि होते हैं। बिना इनके यहां कोई फैसला नहीं होता। इस अखाड़े की स्थापना हरिद्वार के कनखल में राजघाट पर 1902 में हुई थी।उदासी परंपरा के तीन प्रमुख अखाड़ों में पंचायती अखाड़ा नया उदासीन ज्ञान–भक्ति के साथ देव भाषा के प्रचार के लिए लंबे समय से जुटा हुआ है। देश भर में सात सौ से अधिक इसके डेरे हैं। इनमें 1.50 लाख से अधिक संत जुड़े हुए हैं। संस्कृत महाविद्यालयों के साथ धर्म प्रचार केंद्रों का संचालन भी यह अखाड़ा कर रहा है।अखाड़े के सचिव जगतार मुनि बताते हैं कि नैतिक मूल्यों के संरक्षण के साथ ही राष्ट्रप्रेम की भावना जगाने के लिए लगातार काम हो रहा है। अखाड़े की स्थापना बनखंडी निर्वाणदेव जी ने की थी। महाकुंभ की पेशवाई हो, शाही स्नान या फिर कोई और शुभ कार्य, सबसे आगे गुरु के प्रतीक तौर पर संगत साहिब की सवारी चलती है।इसके पीछे संतों का कारवां चलता है। जगतार मुनि बताते हैं कि उदासीन संप्रदाय के संत पंचतत्व की पूजा करते हैं। उदासीन सिख साधुओं का संप्रदाय है। श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण के मौजूदा पंच प्रेसिडेंट श्रीमहंत धूनी दास हैं।दक्षिण पंगत के मुखिया महंत भगत राम पर महाकुंभ की जिम्मेदारी है। उत्तर पंगत के मुखिया महंत सुरजीत मुनि हैं तो पूर्व पंगत के महंत आकाश मुनि और पश्चिम पंगत के मुखिया महंत मंगल दास हैं। अखाड़े के उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, मध य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान आदि में डेरे और आश्रम हैं।आश्रमों की ओर से स्कूल, कॉलेजों का संचालन हो रहा है। साथ ही, संस्कृत महाविद्यालयों के जरिये वेद प्रचार भी किया जा रहा है।

सहायक नगर नियोजक मुख्य परीक्षा का सत्यापन 13 को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सहायक नगर नियोजक (मुख्य) परीक्षा–2023 के सफल अभ्यर्थियों के अभिलेखों का सत्यापन 13 दिसंबर को सुबह 10 बजे से आयोग कार्यालय के यमुना भवन में होगा। आयोग ने 29 नवंबर को परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था, जिसमें 24 पदों के मुकाबले 16 अभ्यर्थियों को औपबंधिक रूप से सफल घोषित किया गया है। आयोग के उपसचिव सुनील कुमार के अनुसार सफल अभ्यर्थियों को मूल शैक्षिक अभिलेख, जाति व निवास प्रमाण–पत्र, स्वप्रमाणित छाया प्रतियां, राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित दो फोटो और एक अप्रमाणित फोटो साथ लानी होगी। प्रमाण पत्रों में नाम या पिता के नाम में भिन्नता होने पर नोटरी शपथ पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। सत्यापन के समय उपस्थित न होने पर यह माना जाएगा कि अभ्यर्थी उक्त पद के लिए इच्छुक नहीं हैं और संबंधित अभ्यर्थी का चयन परिणाम निरस्त कर दिया जाएगा

प्राणीशास्त्र विभाग में आज तक करें आवेदन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की ओर से क्रेट–2024 लेवल–टू की प्रक्रिया शुरू है। प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग विषम में अनारक्षित कटआफ 167 अंक, ओबीसी कटआफ 150, एससी कटआफ 141, ईडब्ल्यूएस कटआफ 161, एसटी 138 है। आवेदन 19 दिसंबर शाम चार बजे तक होंगे। प्राणीशास्त्र विभाग में मंगलवार तक तक जमा करनी होंगी। वनस्पति विज्ञान विभाग में आखिरी तारीख 16 दिसंबर है। संस्कृत, पालि और प्राकृत विभाग ने कटआफ निकाला है। इसमें अनारक्षित 190, ओबीसी 139, एससी 137, ईडब्ल्यूएस 170 तथा पीएच 139 अंक है। आवेदन की अंतिम तिथि 16 दिसंबर तय की गई है।

मेला सिर पर और दस दिनों से पांटून पुल का काम ठप

महाकुम्भनगर। मेला क्षेत्र में पांटून पुलों के निर्माण की तय समयसीमा के भीतर भले ही काम पूरा करने का लाख दावा किया जा रहा हो लेकिन हकीकत उसके विपरीत दिखाई दे रही है। पीडब्ल्यूडी के निर्माण खंड चार की ओर से बनाए जा रहे महावीर दक्षिणी, उत्तरी, जगदीश रैंप, त्रिवेणी दक्षिणी, मध्य व उत्तरी और काली पांटून पुल का निर्माण कार्य दस दिनों से ठप पड़ा है। ठप होने की वजह जमीन का समतलीकरण ना होना है। करीब एक महीने से सात पांटून पुलों का निर्माण कार्य चल रहा है। जमीन समतल ना होने की वजह से झूंसी साइड से इन पुलों का निर्माण शुरू कराया गया। उधर से पुल तो बनकर तैयार हो गया है लेकिन दारागंज की ओर काली मार्ग व त्रिवेणी मार्ग के पास गंगा की जमीन पर सिंचाई विभाग अपनी जेसीबी व पोकलैंड से जमीन समतल करने का कार्य कर रहा है, जो अब तक पूरा नहीं हो सका है। इसकी वजह से गंगा के दोनों छोर पर पुलों को नहीं जोड़ा जा सका। जमीन समतल ना होने की वजह से ठेकेदारों का काम ठप हो गया। वहीं निर्माण खंड तीन नागवासुकि सेक्टर के अंतर्गत पुलों का निर्माण करा रहा है। नागवासुकि मंदिर से लेकर फाफामऊ के बीच अनंत माधव, गंगेश्वर, वेणीमाधव, नागवासुकि व फाफामऊ दक्षिणी पांटून सहित आठ पुलों का काम भी गंगा की तेज कटान की वजह से पूरा नहीं हो सका है।

रोटा वायरस का इंजेक्शन लगाने वाली आरोपी नर्स निलंबित

प्रयागराज। एल्गिन रोड सिविल लाइंस स्थित सृजन अस्पताल में सोमवार को रोटा वायरस की दवा शिशु को मुंह से ड्रॉप पिलाने की जगह इंजेक्शन रूप में लगाने पर अस्पताल प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। इस प्रकरण में मंगलवार को अस्पताल प्रशासन की ओर से आरोपी नर्स के खिलाफ तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी है। साथ ही नर्स पुष्पा यादव को निलंबित कर दिया है। अस्पताल के निदेशक डॉ. बीबी अग्रवाल ने बताया कि जांच टीम में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.जेवी राय, डॉ. रजनीश राय और डॉ. दीपाली श्रीवास्तव शामिल हैं। जांच टीम आरोपी नर्स का बयान दर्ज करने के अलावा पीड़ित परिजनों से संपर्क करेगी और मौके पर मौजूद अन्य लोगों का भी बयान दर्ज करेगी। जांच टीम दस दिन में रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पीड़ित सुमित मित्रा ने बताया कि वे पीएम, सीएम और स्वास्थ्य विभाग से दोबारा शिकायत करेंगे।

घर के बाहर गर्डर लगाने पर सीएम से गुहार

प्रयागराज। मधवापुर की शबरानी भट्टाचार्या ने अपने घर के बाहर गर्डर लगाने से नाराज होकर सोमवार को मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की। शबरानी भट्टाचार्या ने बताया कि महाकुम्भ के मद्देनजर बैरहना रेलवे पुल का निर्माण चल रहा है। कार्यदायी संस्था के ठेकेदार एक सप्ताह पहले वाहनों का आवागमन रोकने के लिए बैरिकेडिंग लगाने आए थे। उस वक्त घर से ठीक सामने लोहे का गर्डर नहीं लगाने का आग्रह किया गया था। इसके बावजूद देर रात चोरी छुपे लोहे का गर्डर ठीक घर के गेट के सामने लगा दिया गया। अब घर से बाहर तक निकलना मुश्किल हो गया है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर एसपीजी ने डाला डेरा

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को महाकुम्भ की तैयारियों का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। पहली बार प्रधानमंत्री के गंगा पूजन के साथ ही महाकुम्भ शुरू हो जाएगा। पीएम के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए एसपीजी ने प्रयागराज में डाला डाल दिया है। एसपीजी की टीम सुबह एयरपोर्ट से अरैल की ओर गई है। प्रधानमंत्री पहले बमरौली एयरपोर्ट आएंगे और यहां से हेलीकॉप्टर से अरैल आएंगे। संगम पर सभा सम्बोधित करेंगे। इस पंडाल को 11 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। 12 दिसंबर को इसे एसपीजी के हवाले कर दिया जाएगा। इसके साथ ही पीएमओ की टीम भी यहां पहुंच चुकी है।

डीएफसी ने 770 ट्रेनें अदलाबदली कर बनाया रिकॉर्ड

प्रयागराज। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के आगमन के दिन ही डीएफसीसीआईएल ने 770 ट्रेनों को भारतीय रेलवे से अदलाबदली करके नया रिकॉर्ड बनाया है। रेलवे ट्रैक खाली होने से महाकुम्भ में ट्रेनों का संचालन आसान हो जाएगा। महाकुम्भ की तैयारियों का निरीक्षण करने रेलमंत्री आठ दिसंबर को प्रयागराज में आये थे।

महाकुंभ में लगाया गया बसों का बेड़ा, लोकल यात्रियों की बढ़ेगी मुश्किल

प्रयागराज। महाकुंभ प्रयागराज मेले के दौरान महराजगंज से प्रयागराज तक रोडवेज बसों के बेड़े को लगाया जाएगा। परिवहन निगम के एमडी ने महाकुंभ प्रयागराज मेले में रोडवेज बसों को लगाने का निर्देश दिए हैं। वहीं महाकुंभ मेले को लेकर महराजगंज जिले में गैर जनपद की बसें भी प्रयागराज के लिए विभिन्न जगहों से सीधे चलेंगी। इससे लोकल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ेंगी। जिले के महराजगंज डिपो के बेड़े में 65 बसें शामिल है। इनमें अनुबंधित बसों की संख्या 15 है। लेकिन बसों का संचालन ठीक तरीके से नहीं होने से जनपद मुख्यालय व आस–पास गांवों के यात्री काफी परेशान रहते हैं। इस बीच महाकुंभ प्रयागराज मेले में श्रद्धालुओं को आस्था की डुबकी लगवाने में परिवहन निगम भी जुटा हुआ है। इस बार महाकुंभ मेले में गैर जनपद की 90 अतिरिक्त स्पेशल बसें जिले में लगाई गई हैं। इसके लिए लखनऊ, सहारनपुर और बरेली डिपो की बसें 23 दिसम्बर से जिले में आने की उम्मीद है। महाकुंभ प्रयागराज मेला 13 जनवरी से शुरू हो रहा है। प्रयागराज में पहला शाही स्नान 13 जनवरी, दूसरा मकर संक्रांति के मौके पर 14 जनवरी और तीसरा शाही स्नान 29 जनवरी को मौनी अमावस्था पर होगा। यात्रा को लेकर बसों में श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक रहती है। एआरएम सर्वजीत वर्मा ने बताया कि महराजगंज में प्रयागराज के झूंसी के लिए लखनऊ डिपो की 50 बसें आ रही हैं। इसी प्रकार निचलौल से झूंसी के लिए सहारनपुर से 20 और नौतनवा से झूंसी के लिए 10 बसें और सोनौली से झूंसी के लिए बरेली से 10 बसें आ रही हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को प्रयागराज आने–जाने में दिक्कत नहीं होगी। महराजगंज शहर के बस अड्डे पर बसों के संचालन को लेकर रोडवेज बसों के आने–जाने का समय निर्धारित किया गया है। पर बस अड्डे पर बसों की लेटलतीफी जारी है। बस अड्डे पर रोडवेज यात्रियों के पहुंचने पर कई घंटे तक सड़क के किनारे खड़े होकर बस का इंतजार करना पड़ रहा है।

प्रेमी जोड़ों को फर्जी विवाह प्रमाणपत्र जारी करने में नौ पर केस, आर्य समाज ने दर्ज कराया मुकदमा

प्रयागराज। प्रेमी जोड़ों को आर्य समाज के नाम से फर्जी विवाह प्रमाणपत्र जारी करने के मामले में शहर में एक और केस दर्ज हुआ है। आर्य समाज, चौक ने यह केस कोतवाली थाने में दर्ज कराया है। इसमें प्रदेश के अलग–अलग जनपदों के चार प्रेमी जोड़ों व जाली दस्तावेजों से याचिका दायर करने के आरोपी को नामजद किया गया है। पीएन मिश्रा आर्य समाज चौक, के 2006 से निर्वाचित मंत्री हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी संस्था से विवाह संस्कार सम्पन्न कराने से पूर्व वर–वधू का निवास प्रमाण, शैक्षिक प्रमाण, जन्म प्रमाण, फोटोग्राफ आदि लेकर कराए जाते हैं और फिर प्रमाण स्वरूप विवाह प्रमाण पत्र दिया जाता है। प्रमाणपत्र विवरण रजिस्टर में अंकित किया जाता है व उसकी छायाप्रति व वर–वधू पक्ष से दिए गए दस्तावेज प्रमाण स्वरूप सुरक्षित रखे जाते हैं। संज्ञान में आया है कि संस्था के नाम से फर्जी विवाह प्रमाण पत्र नाबालिग लड़के लड़कियों को

जारी किए जा रहे हैं। यही नहीं न्यायालयों में इन्हें ही लगाकर याचिकाएं दाखिल की जा रही हैं। इनमें से एक याचिका सुमन एवं अन्य बनाम राज्य सरकार अधिवक्ता रऊफ अली की ओर से दाखिल किया गया। इसमें 22 जुलाई 2023 का फर्जी विवाह प्रमाण जयहिन्द सिंह निवासी मोहनापुर शनिचरा जनपद संत कबीर नगर व सुमन निवासी ग्राम सनीडीह पोस्ट खजनी सोनबरसा बाबू जनपद गोरखपुर लगाया गया। इस केस में रिपोर्ट पंजीकृत है। प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए आया तब उन्हें जानकारी हुई कि यह फर्जी है। उपरोक्त केस की तरह 09.01.2023 का फर्जी विवाह प्रमाण पत्र राम प्रकाश एवं पूनम, 7.05.2022 का फर्जी विवाह प्रमाण पत्र राज व खुशबू और दिनांकित 20.06.2023 का फर्जी विवाह प्रमाण पत्र वासु एवं भानवी के नाम से जारी किया गया। इसमें उनका जाली दस्तखत भी किया गया। इस प्रकार से फर्जी विवाह प्रमाण पत्र जारी करके दुरुपयोग किया जा रहा है। कोतवाली प्रभारी रोहित कुमार तिवारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है। फर्जी विवाह प्रमाणपत्र लगाकर याचिका दाखिल करने के प्रकरण में जनपद में पूर्व में नौ मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें से सात कैंट व एक–एक हंडिया और कौंधियारा थाने में दर्ज हुआ है। नवंबर में पुलिस ने इस खेल का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को जेल भेजा था। साथ ही सभी मुकदमे क्राइम ब्रांच को सौंप दिए गए थे। इसके बाद से मामला ठंडे बस्ते में ही है। क्राइम ब्रांच अब तक जाली प्रमाणपत्र देने से लेकर सुरक्षा दिलाने का ठेका लेने वालों तक नहीं पहुंच सकी है।

महाकुम्भ में रोमांच का अनुभव कराएंगे पैरा मोटर और हॉट एयर बैलून

प्रयागराज। महाकुम्भ की अवधि में प्रयागराज के साथ ही देश–विदेश से आने वाले ऐसे जुनूनी लोगों के लिए साहसिक खेलों का प्लेटफार्म तैयार हो रहा है, जिन्हें रोमांच का शौक होता है। ऐसे शौकीनों के लिए पैरा मोटर और हॉट एयर बैलून में उड़ान की सुविधा प्रयागराज एडवेंचर टूरिज्म की ओर से प्रदान की जाएगी। इसके लिए कंपनी को रक्षा मंत्रालय से एनओसी प्राप्त हो चुकी है। महाकुम्भ में पैरा मोटर और हॉट एयर बैलून की सुविधा एक साथ मिलेगी। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश में पहली बार एक साथ दोनों रोमांचक खेलों की शुरुआत भी होने जा रही है। कंपनी की ओर से अरैल में डीपीएस के पीछे सरस्वती हाईटेक सिटी के पास जमीन से दोनों सुविधा उपलब्ध कराएगी। कंपनी ने फरवरी 24 में रक्षा मंत्रालय से एनओसी मिला था। यह सुविधा पांच वर्षों के लिए प्रयागराज में उपलब्ध रहेगी। मंत्रालय और पर्यटन विभाग से लाइसेंस मिल चुका है। कंपनी दो पैरा मोटर और दो हॉट एयर बैलून उपलब्ध कराएगी। पैरा मोटर 500 फीट तो बैलून 300 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरेगा। दोनों को संचालित करने के लिए कंपनी ने दो प्रशिक्षित पायलट भी रखे हैं। पैरा मोटर पर एक पायलट के साथ एक आदमी और बैलून पर एक पायलट के साथ दो लोग बैठ सकेंगे। कंपनी के दिनेश शुक्ला ने बताया कि दोनों का किराया अभी निर्धारित नहीं किया गया है। अभी सारा ध्यान सुविधा देने की तैयारियों में लगा है। मेला शुरू होने से पहले किराया तय कर लिया जाएगा।

मारपीट के बाद सात परीक्षार्थियों का बदला केंद्र

प्रयागराज। झूंसी के पटेल नगर स्थित कामता सिंह गर्ल्स डिग्री कॉलेज में छह दिसंबर को छात्रों और कॉलेज स्टाफ के बीच जमकर मारपीट हुई थी। इसके बाद सात छात्रों ने प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय प्रशासन को पत्र देकर परीक्षा केंद्र बदलने की गुहार लगाई थी। छात्रों की मांग पर परीक्षा केंद्र बदल दिया गया है। छात्रों की मांग पर विवि प्रशासन ने सातों छात्रों का केंद्र बदलकर यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में परीक्षा कराई। छात्रों ने विवि से यह भी मांग की थी कि पूरी घटना की सीसीटीवी फुटेज मांगी जाए। विश्वविद्यालय जल्द कॉलेज प्रशासन से घटना से जुड़े साक्ष्य मांगेगा। राज्य विश्वविद्यालय की ओर से पांच दिसंबर से मंडल के 31 केंद्रों पर दो पालियों में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं हो रही हैं। छह दिसंबर को झूंसी के कामता सिंह गर्ल्स डिग्री कॉलेज में मारपीट हुई थी। इसे देखते हुए सात को छात्रों ने परीक्षा केंद्र बदले जाने की गुहार विवि से लगाई थी। इसके बाद आठ को रविवार होने के कारण परीक्षा नहीं थी। सोमवार को रोहित कुमार यादव, मुनीश यादव, अवनीश यादव, रोहित कुमार यादव, रजत सिंह यादव एलएलएलबी प्रथम सेमेस्टर, शिवा केसरवानी बीएएलएलबी नवम सेमेस्टर और पदमा देवी एलएलबी तृतीय सेमेस्टर के यूनाईटेड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में केंद्र बनाकर परीक्षा कराई गई। कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि छात्रों की मांग पर उनके परीक्षा केंद्र को बदल दिया गया है। कॉलेज प्रशासन घटना वाले दिन की सीसीटीवी फुटेज मांगी जाएगी। विदित हो कि मामले में दोनों तरफ से अलग–अलग आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने की उठी मांग

जमशेदपुर। टाटानगर और रांची स्टेशन से प्रयागराज तक कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में यह मांग उठने लगी। फेडरेशन चौंबर ऑफ झारखंड कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष ने इसके लिए रेल जीएम को पत्र भेजा है। चौंबर अध्यक्ष के अनुसार, कुंभ में झारखंड के विभिन्न स्टेशनों से हजारों श्रद्धालु कुंभ स्नान में जाएंगे। रेलवे को श्रद्धालुओं और साधु–संतो की सुविधा में एक महीने कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाना चाहिए। इधर, दक्षिण पूर्व जोन रेलवे सलाहाकार समिति के पूर्व सदस्य अरुण जोशी ने भी कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने पर जोर दिया है।

मेडिसिन विभाग के पास जल्द तैयार होगा रैन बसेरा

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में मेडिसिन इमरजेंसी विभाग के पास बने रैन बसेरा में साफ–सफाई शुरू हो गयी है।। इससे तीमारदारों को ठहरने में सहूलियत होगी। रैन बसेरा में भरे कबाड़ की सफाई के लिए रविवार को दीवार तोड़ी गयी थी। उसके बाद से अब तक पांच गाड़ी कबाड़ हटाया जा चुका है। रैन बसेरा में कबाड़ भरा होने के कारण दुर्गंध आती थी, जिससे मेडिसिन वार्ड के पास रहने वाले तीमारदारों को बहुत परेशानी होती थी। रैन बसेरा के किनारे दीवार भी बना दी गयी, जिससे कूड़ा–कबाड़ ढका रहे। 1200 बेड के अस्पताल में इस समय एक भी रैन बसेरा नहीं है। इससे अस्पताल में तीमारदार खुले आसमान में रात गुजारने के लिए मजबूर हैं।

सब्जी विक्रेताओं को बसाया वेंडिंग जोन में

प्रयागराज। मधवापुर सब्जी मंडी में फुटपाथ पर सब्जी बेचने वालों को अब वेंडिंग जोन में दुकानें मिल गई हैं। वर्षों से सड़क किनारे सब्जी विक्रेताओं को सोमवार को वेंडिंग जोन में शिफ्ट किया गया। वेंडिंग जोन में सब्जी विक्रेताओं को भेजने के लिए प्रवर्तन दल के जवानों को जिम्मेदारी दी गई थी। सब्जी विक्रेताओं को दुकानों में कारोबार करने की चेतावनी भी दी गई है। छावनी परिषद भी मनकामेश्वर मंदिर के पास पूजन सामग्री की दुकानों के लिए वेंडिंग जोन बना रहा है। महाकुम्भ के पहले नए वेंडिंग जोन में पूजन सामग्री की दुकानें शिफ्ट कर दी जाएंगी। वेंडिंग जोन में पार्किंग के साथ अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

अब तक नहीं बंट सकी, महामंडलेश्वर नगर के लिए जमीन

प्रयागराज। महाकुम्भ की शुरूआत होने में अब तकज 20 दिन शेष बचे हैं। अब तक जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। अब तक महामंडलेश्वर नगर के लिए जमीन दी जा रही है, जिससे सभी अखाड़ों में नाराजगी है। अखाड़ों की इच्छा थी कि उन्हें महामंडलेश्वरों के साथ ही जगह दी जाए। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। अखाड़ों को जहां सेक्टर 20 में जगह दी गई है, वहीं महामंडलेश्वरों को सेक्टर 14 में। अब समस्या यह है कि शाही स्नान के वक्त अखाड़े कैसे जाएंगे। क्योंकि छत्र के साथ महामंडलेश्वर आते हैं और इनके साथ ही सबसे ज्यादा श्रद्धालु रहते हैं।

ईडीएफसी पर डेढ़ किमी लंबी एनाकोंडा का सफल ट्रायल

प्रयागराज । रेलवे ने पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) पर पिछले दिनों चार मालगाड़ियों को जोड़कर चलाने का सफल परीक्षण किया गया है। लगभग डेढ़ किमी लंबी इस ट्रेन को 'एनाकोंडा नाम दिया गया। यह ट्रायल कोयला, सीमेंट और पेट्रोलियम उत्पादों की तेज व प्रभावी ढुलाई के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। अब तक अलग–अलग रूट पर दो–दो मालगाड़ियों को जोड़कर 'शेषनाग और 'नागवासुकि नाम से ट्रायल किया गया था लेकिन इस बार चार मालगाड़ियों को जोड़कर एक साथ चलाया गया। यह ट्रालय रन पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से धनबाद के बीच किया गया। ईडीएफसी पर इस सफलता के बाद माल ढुलाई की गति और क्षमता में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, 'एनाकोंडा की सफलता से मालगाड़ियों की ढुलाई तेज होगी और समय के साथ–साथ लागत में भी कमी आएगी। यह कदम पर्यावरण के अनुकूल और आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगा। महाकुम्भ 2025 को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने सभी मालगाड़ियों को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर स्थानांतरित कर दिया है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062